ॐ विक्रम संवत् २०८१

नूतन वर्ष की हार्दिक शुभकामनाएँ।

ॐ

सत्यं वद धर्मं चर

सत्य बोलो।
धर्म सम्मत कर्म करो।

विक्रम संवत्

२०८२

धर्मक्षेत्र

हरि अनंत हरि कथा अनंता। कहहिं सुनहिं बहुबिधि सब संता॥

हरि (श्रीराम) अनंत हैं और
उनकी कथा भी अनंत है।

सब संत लोग उसे बहुत
प्रकार से कहते-सुनते हैं।

श्री राम@श्री अयोध्या धाम

चैत्र/वैशाख
वि.सं. २०८१

अप्रैल २०२४
वसंत ऋतु

रविवार	सोमवार	मंगलवार	बुधवार	गुरुवार	शुक्रवार	शनिवार
	१ चैत्र कृष्ण पक्ष सप्तमी	शीतला अष्टमी २ चैत्र कृष्ण पक्ष अष्टमी	३ चैत्र कृष्ण पक्ष नवमी	४ चैत्र कृष्ण पक्ष दशमी	पापमोचिनी एकादशी ५ चैत्र कृष्ण पक्ष एकादशी	प्रदोष व्रत ६ चैत्र कृष्ण पक्ष द्वादशी/त्रयोदशी
शिवरात्रि ७ चैत्र कृष्ण पक्ष चतुर्दशी	सोमवती अमावस्या ८ चैत्र कृष्ण पक्ष अमावस्या	प्रथम नवरात्र हिंदू चंद्र नव वर्ष विक्रम सम्वत २०८१* ९ चैत्र शुक्ल पक्ष प्रतिपदा	चैती चौद, चंद्र दर्शन १० चैत्र शुक्ल पक्ष द्वितीया	मत्स्यावतार गौरी तृतीया गणगौर ११ चैत्र शुक्ल पक्ष तृतीया	श्री गणेश चतुर्थी व्रत १२ चैत्र शुक्ल पक्ष चतुर्थी	मेष सक्रान्ति** हिंदू सूर्य नव वर्ष श्री लक्ष्मी पञ्चमी १३ चैत्र शुक्ल पक्ष पंचमी
यमुना छठ डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती १४ चैत्र शुक्ल पक्ष षष्ठी	१५ चैत्र शुक्ल पक्ष सप्तमी	श्री दुर्गा अष्टमी १६ चैत्र शुक्ल पक्ष अष्टमी	श्री राम नवमी स्वामीनारायण जयन्ती १७ चैत्र शुक्ल पक्ष नवमी	१८ चैत्र शुक्ल पक्ष दशमी	कामदा एकादशी १९ चैत्र शुक्ल पक्ष एकादशी	२० चैत्र शुक्ल पक्ष द्वादशी
श्री महावीर जयंती प्रदोष व्रत २१ चैत्र शुक्ल पक्ष त्रयोदशी	२२ चैत्र शुक्ल पक्ष चतुर्दशी	स्नान-दान चैत्र पूर्णिमा श्री हनुमान जन्मोत्सव २३ चैत्र शुक्ल पक्ष पूर्णिमा	२४ वैशाख कृष्ण पक्ष प्रतिपदा	२५ वैशाख कृष्ण पक्ष प्रतिपदा	२६ वैशाख कृष्ण पक्ष द्वितीया	श्री गणेश चतुर्थी व्रत २७ वैशाख कृष्ण पक्ष तृतीया
विकट संकष्टी चतुर्थी २८ वैशाख कृष्ण पक्ष चतुर्थी/पंचमी	२९ वैशाख कृष्ण पक्ष षष्ठी	३० वैशाख कृष्ण पक्ष सप्तमी	*उगादी, गुड़ी पड़वा, नवरेह, पिंगल संवत्सर २०८१	**वैशाखी, बिहु, पाना संक्रांति, पोइला बोइशाख, पुथंडु	सम्पर्क सूत्र @ 9354422798	

मनुष्य के चार पुरुषार्थ (पुरुषार्थ चतुष्टय): धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष।

धर्मक्षेत्र- आपकी आध्यात्मिक यात्रा में आपके सहयोगी।
www.dharmkshetra.com

सत्संगत्वे निस्संगत्वं, निस्संगत्वे निर्मोहत्वं।
निर्मोहत्वे निश्चलतत्त्वं, निश्चलतत्त्वे जीवन्मुक्तिः॥

सत्संग से वैराग्य, वैराग्य से विवेक, विवेक से स्थिर तत्त्वज्ञान और तत्त्वज्ञान से मोक्ष की प्राप्ति होती है॥

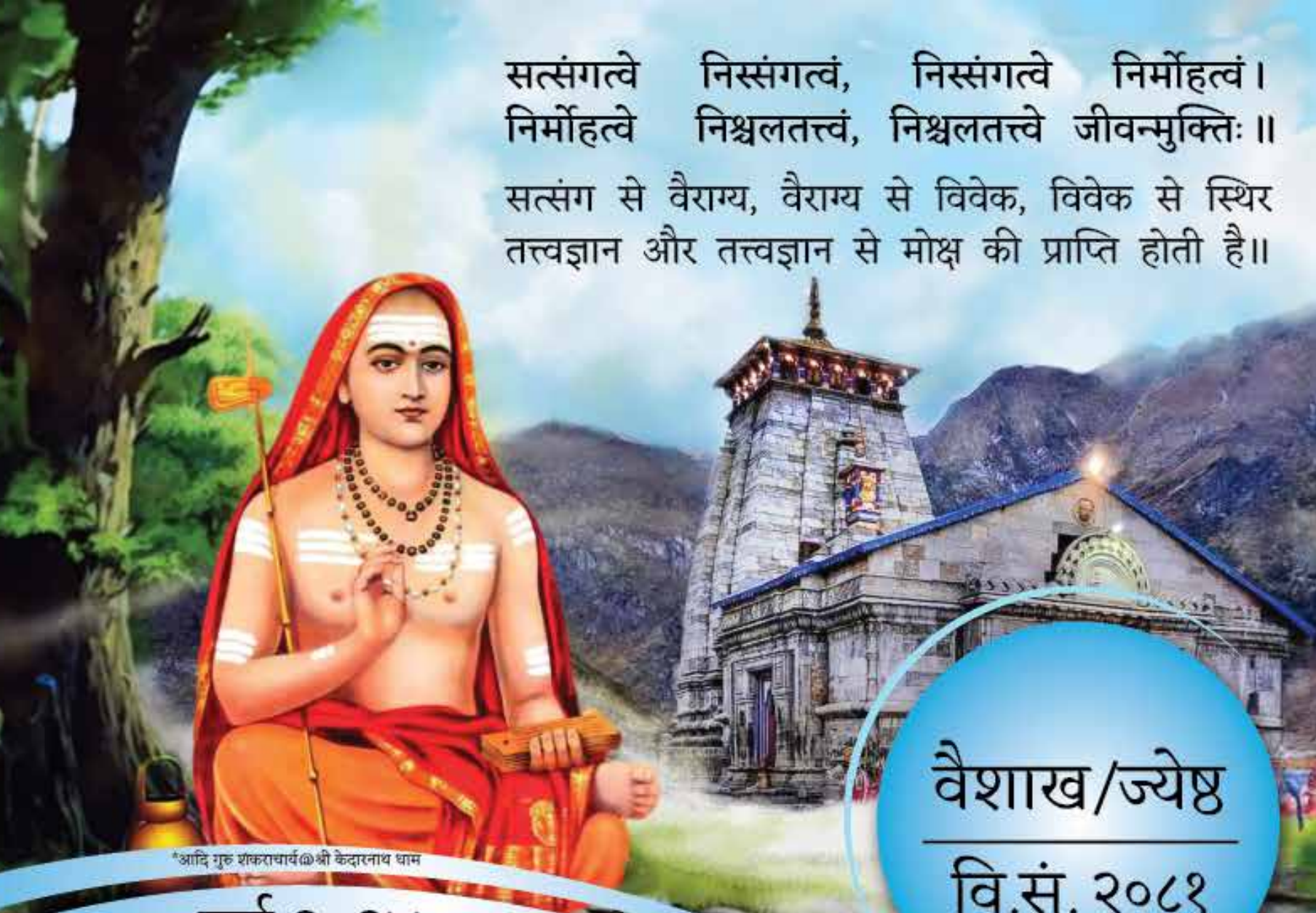

*आदि गुरु शंकराचार्य@श्री केदारनाथ धाम

वैशाख/ज्येष्ठ
वि.सं. २०८१

मई २०२४
ग्रीष्म ऋतु

रविवार	सोमवार	मंगलवार	बुधवार	गुरुवार	शुक्रवार	शनिवार
			१ वैशाख कृष्ण पक्ष अष्टमी	२ वैशाख कृष्ण पक्ष नवमी	३ वैशाख कृष्ण पक्ष दशमी	बरूथिनी एकादशी ४ वैशाख कृष्ण पक्ष एकादशी
प्रदोष व्रत ५ वैशाख कृष्ण पक्ष द्वादशी	शिवरात्रि व्रत ६ वैशाख कृष्ण पक्ष त्रयोदशी	७ वैशाख कृष्ण पक्ष चतुर्दशी	८ वैशाख कृष्ण पक्ष अमावस्या	९ वैशाख शुक्ल पक्ष प्रतिपदा	श्री परशुराम जयन्ती अक्षय तृतीया १० वैशाख शुक्ल पक्ष द्वितीया/तृतीया	श्री गणेश चतुर्थी व्रत ११ वैशाख शुक्ल पक्ष चतुर्थी
आदि गुरु शंकराचार्य जयन्ती १२ वैशाख शुक्ल पक्ष पंचमी	१३ वैशाख शुक्ल पक्ष षष्ठी	गंगा सप्तमी, वृषभ संक्रान्ति १४ वैशाख शुक्ल पक्ष सप्तमी	१५ वैशाख शुक्ल पक्ष सप्तमी	श्री सीता नवमी १६ वैशाख शुक्ल पक्ष अष्टमी	१७ वैशाख शुक्ल पक्ष नवमी	१८ वैशाख शुक्ल पक्ष दशमी
मोहिनी एकादशी १९ वैशाख शुक्ल पक्ष एकादशी	प्रदोष व्रत २० वैशाख शुक्ल पक्ष द्वादशी	नृसिंह जयन्ती २१ वैशाख शुक्ल पक्ष त्रयोदशी	२२ वैशाख शुक्ल पक्ष चतुर्दशी	बुद्ध पूर्णिमा २३ वैशाख शुक्ल पक्ष पूर्णिमा	नारद जयन्ती २४ ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष प्रतिपदा	२५ ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष द्वितीया
श्री गणेश चतुर्थी व्रत २६ ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष तृतीया	२७ ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष चतुर्थी	२८ ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष पंचमी	२९ ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष षष्ठी	३० ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष सप्तमी	३१ ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष अष्टमी	

*अद्वैत वेदांत के प्रणेता और सनातन धर्म की पुनर्स्थापना के लिए जाने जाते हैं। ब्रह्मसूत्रभाष्य, दस प्रमुख उपनिषदों और श्रीमद्भगवद्गीता पर भाष्य प्रमुख हैं। श्री केदारनाथ धाम में 32 वर्ष की आयु में देह त्याग कर निर्वाण।

उत्तरं यत्समुद्रस्य हिमाद्रेश्चैव दक्षिणम्। वर्षं तद् भारतं नाम भारती यत्र संततिः॥

जो समुद्र के उत्तर तथा हिमालय से दक्षिण में स्थित है वही भारतवर्ष है और वहीं पर चक्रवर्ती भरत जी की संतति, भारती निवास करती है।

श्री महाराणा प्रताप

ज्येष्ठ/आषाढ़

वि.सं. २०८१

जून २०२४

ग्रीष्म ऋतु

रविवार	सोमवार	मंगलवार	बुधवार	गुरुवार	शुक्रवार	शनिवार
३० आषाढ़ कृष्ण पक्ष नवमी						१ ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष नवमी/दशमी
अपरा एकादशी भद्रकाली प्रकटोत्सव २ ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष एकादशी	३ ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष द्वादशी	प्रदोष व्रत ४ ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष त्रयोदशी	५ ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष चतुर्दशी	शनि प्रकटोत्सव वटसावित्री व्रत ६ ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष अमावस्या	७ ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष प्रतिपदा	८ ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष द्वितीया
श्री महाराणा प्रताप जयंती ९ ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष तृतीया	१० ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष चतुर्थी	११ ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष पंचमी	१२ ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष षष्ठी	१३ ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष सप्तमी	१४ ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष अष्टमी	मिथुन संक्रान्ति १५ ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष नवमी
गंगा दशहरा १६ ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष दशमी	गायत्री जयन्ती निर्जला एकादशी १७ ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष एकादशी	निर्जला एकादशी (वैष्णव) १८ ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष द्वादशी	प्रदोष व्रत १९ ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष द्वादशी	२० ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष त्रयोदशी	योग दिवस २१ ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष चतुर्दशी	२२ ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष पूर्णिमा
२३ आषाढ़ कृष्ण पक्ष प्रतिपदा/द्वितीया	२४ आषाढ़ कृष्ण पक्ष तृतीया	श्री गणेश चतुर्थी व्रत २५ आषाढ़ कृष्ण पक्ष चतुर्थी	२६ आषाढ़ कृष्ण पक्ष पंचमी	२७ आषाढ़ कृष्ण पक्ष षष्ठी	२८ आषाढ़ कृष्ण पक्ष सप्तमी	२९ आषाढ़ कृष्ण पक्ष अष्टमी

शस्त्रेण रक्षिते राष्ट्रे, शास्त्र चिंता प्रवर्तते।

शस्त्र से रक्षित राष्ट्र में ही शास्त्र चिंतन संभव है।

प्रथमे नार्जिता विद्या, द्वितीये नार्जितं धनम् ।
तृतीये नार्जितं पुण्यं, चतुर्थे किं करिष्यति ॥

मनुष्य के जीवन में चार आश्रम होते हैं। जिसने पहले तीन आश्रमों (ब्रह्मचर्य/विद्या, गृहस्थ, वानप्रस्थ) में निर्धारित कर्त्तव्य का पालन किया, उसे चौथे आश्रम में मोक्ष के लिए प्रयास नहीं करना पड़ता है।

श्री जगन्नाथ पुरी रथ यात्रा

आषाढ़/श्रावण

वि.सं. २०८१

जुलाई २०२४

वर्षा ऋतु

रविवार	सोमवार	मंगलवार	बुधवार	गुरुवार	शुक्रवार	शनिवार
	१ आषाढ़ कृष्ण पक्ष दशमी	योगिनी एकादशी २ आषाढ़ कृष्ण पक्ष एकादशी	प्रदोष व्रत ३ आषाढ़ कृष्ण पक्ष द्वादशी	शिवरात्रि व्रत ४ आषाढ़ कृष्ण पक्ष त्रयोदशी/चतुर्दशी	५ आषाढ़ कृष्ण पक्ष अमावस्या	आषाढ़ नवरात्र प्रारंभ ६ आषाढ़ शुक्ल पक्ष प्रतिपदा
श्री जगन्नाथ पुरी रथ यात्रा ७ आषाढ़ शुक्ल पक्ष द्वितीया	८ आषाढ़ शुक्ल पक्ष तृतीया	श्री गणेश चतुर्थी व्रत ९ आषाढ़ शुक्ल पक्ष चतुर्थी	१० आषाढ़ शुक्ल पक्ष चतुर्थी	११ आषाढ़ शुक्ल पक्ष पंचमी	१२ आषाढ़ शुक्ल पक्ष षष्ठी	१३ आषाढ़ शुक्ल पक्ष सप्तमी
१४ आषाढ़ शुक्ल पक्ष अष्टमी	आषाढ़ नवरात्र पारण १५ आषाढ़ शुक्ल पक्ष नवमी	कर्क संक्रान्ति १६ आषाढ़ शुक्ल पक्ष दशमी	देवशयनी एकादशी १७ आषाढ़ शुक्ल पक्ष एकादशी	प्रदोष व्रत १८ आषाढ़ शुक्ल पक्ष द्वादशी	१९ आषाढ़ शुक्ल पक्ष त्रयोदशी	२० आषाढ़ शुक्ल पक्ष चतुर्दशी
गुरु पूर्णिमा व्यास पूजा अन्वाधान २१ आषाढ़ शुक्ल पक्ष पूर्णिमा	२२ श्रावण कृष्ण पक्ष प्रतिपदा	२३ श्रावण कृष्ण पक्ष द्वितीया	श्री गणेश चतुर्थी व्रत २४ श्रावण कृष्ण पक्ष तृतीया	२५ श्रावण कृष्ण पक्ष चतुर्थी	२६ श्रावण कृष्ण पक्ष पंचमी/षष्ठी	२७ श्रावण कृष्ण पक्ष सप्तमी
२८ श्रावण कृष्ण पक्ष अष्टमी	२९ श्रावण कृष्ण पक्ष नवमी	३० श्रावण कृष्ण पक्ष दशमी	कामिका/कामदा एकादशी ३१ श्रावण कृष्ण पक्ष एकादशी			

तत्कर्म यन्न बंधाय, सा विद्या या विमुक्तये।
कर्म वही है, जो बंधन में ना बांधे, विद्या वही है जो मुक्त करे।

यद्यदाचरति श्रेष्ठस्तत्तदेवेतरो जनः। स यत्प्रमाणं कुरुते लोकस्तदनुवर्तते ॥

श्रेष्ठ मनुष्य जो-जो आचरण करता है, दूसरे मनुष्य भी वैसा-वैसा ही आचरण करते हैं। वह जो कुछ प्रमाण देता है, दूसरे मनुष्य उसी के अनुसार आचरण करते हैं।।3.21।।

श्री नाथद्वारा धाम

अगस्त २०२४

वर्षा ऋतु

श्रावण/भाद्रपद

वि.सं. २०८१

रविवार	सोमवार	मंगलवार	बुधवार	गुरुवार	शुक्रवार	शनिवार
				प्रदोष व्रत १ श्रावण कृष्ण पक्ष द्वादशी	शिवरात्रि व्रत २ श्रावण कृष्ण पक्ष त्रयोदशी	३ श्रावण कृष्ण पक्ष चतुर्दशी
४ श्रावण कृष्ण पक्ष अमावस्या	५ श्रावण शुक्ल पक्ष प्रतिपदा	६ श्रावण शुक्ल पक्ष द्वितीया	हरियाली तीज ७ श्रावण शुक्ल पक्ष तृतीया	श्री गणेश चतुर्थी व्रत ८ श्रावण शुक्ल पक्ष चतुर्थी	नाग पञ्चमी ९ श्रावण शुक्ल पक्ष पंचमी	कल्कि जयन्ती १० श्रावण शुक्ल पक्ष षष्ठी
गोस्वामी श्री तुलसीदास जयन्ती ११ श्रावण शुक्ल पक्ष सप्तमी	१२ श्रावण शुक्ल पक्ष अष्टमी	१३ श्रावण शुक्ल पक्ष नवमी	१४ श्रावण शुक्ल पक्ष नवमी	स्वतन्त्रता दिवस पुत्रदा एकादशी १५ श्रावण शुक्ल पक्ष दशमी	पुत्रदा एकादशी (वैष्णव) वरलक्ष्मी व्रत सिंह संक्रान्ति १६ श्रावण शुक्ल पक्ष एकादशी/द्वादशी	प्रदोष व्रत १७ श्रावण शुक्ल पक्ष त्रयोदशी
१८ श्रावण शुक्ल पक्ष चतुर्दशी	रक्षा बन्धन अन्वाधान १९ श्रावण शुक्ल पक्ष पूर्णिमा	२० भाद्रपद कृष्ण पक्ष प्रतिपदा	२१ भाद्रपद कृष्ण पक्ष द्वितीया	कजरी तीज श्री गणेश चतुर्थी व्रत २२ भाद्रपद कृष्ण पक्ष तृतीया	२३ भाद्रपद कृष्ण पक्ष चतुर्थी	श्री बलराम जयन्ती हलषष्ठी २४ भाद्रपद कृष्ण पक्ष पंचमी
२५ भाद्रपद कृष्ण पक्ष षष्ठी	श्री कृष्ण जन्माष्टमी २६ भाद्रपद कृष्ण पक्ष सप्तमी	दही हाण्डी श्री कृष्ण जन्माष्टमी(वैष्णव) २७ भाद्रपद कृष्ण पक्ष अष्टमी/नवमी	२८ भाद्रपद कृष्ण पक्ष दशमी	अजा एकादशी २९ भाद्रपद कृष्ण पक्ष एकादशी	३० भाद्रपद कृष्ण पक्ष द्वादशी	प्रदोष व्रत ३१ भाद्रपद कृष्ण पक्ष त्रयोदशी

यो यो यां यां तनुं भक्तः श्रद्धयार्चितुमिच्छति। तस्य तस्याचलां श्रद्धां तामेव विदधाम्यहम्। जो-जो भक्त जिस-जिस देवता का श्रद्धापूर्वक पूजन करना चाहता है, उस-उस देवता के प्रति मैं उसकी श्रद्धा को दृढ़ कर देता हूँ।।7.21।।

विघ्नेश्वराय वरदाय सुरप्रियाय, लम्बोदराय सकलाय जगद्धिताय।
नागाननाय श्रुतियज्ञविभूषिताय, गौरीसुताय गणनाथ नमो नमस्ते॥

विघ्नेश्वर, वर देनेवाले, देवताओं को प्रिय, लम्बोदर, कलाओं से परिपूर्ण, जगत् का हित करनेवाले, गज के समान मुख वाले और वेद तथा यज्ञ से विभूषित पार्वती पुत्र को नमस्कार है; हे गणनाथ! आपको नमस्कार है।

ॐ श्री गणेशाय नमः

भाद्रपद/आश्विन

वि.सं. २०८१

सितम्बर २०२४

शरद ऋतु

रविवार	सोमवार	मंगलवार	बुधवार	गुरुवार	शुक्रवार	शनिवार
१ भाद्रपद कृष्ण पक्ष चतुर्दशी	सोमवती अमावस्या २ भाद्रपद कृष्ण पक्ष अमावस्या	भौमवती अमावस्या ३ भाद्रपद कृष्ण पक्ष अमावस्या	४ भाद्रपद शुक्ल पक्ष प्रतिपदा	५ भाद्रपद शुक्ल पक्ष द्वितीया	वराह जयन्ती हरतालिका तीज ६ भाद्रपद शुक्ल पक्ष तृतीया	श्री गणेश चतुर्थी व्रत ७ भाद्रपद शुक्ल पक्ष चतुर्थी
ऋषि पञ्चमी ८ भाद्रपद शुक्ल पक्ष पंचमी	९ भाद्रपद शुक्ल पक्ष षष्ठी	श्री ललिता सप्तमी १० भाद्रपद शुक्ल पक्ष सप्तमी	श्री राधाष्टमी दूर्वा अष्टमी महालक्ष्मी व्रत आरंभ ११ भाद्रपद शुक्ल पक्ष अष्टमी	१२ भाद्रपद शुक्ल पक्ष नवमी	१३ भाद्रपद शुक्ल पक्ष दशमी	परिवर्तिनी/पद्मा एकादशी १४ भाद्रपद शुक्ल पक्ष एकादशी
वामन जयन्ती प्रदोष व्रत १५ भाद्रपद शुक्ल पक्ष द्वादशी	१६ भाद्रपद शुक्ल पक्ष त्रयोदशी	गणेश विसर्जन अनन्त चतुर्दशी पूर्णिमा श्राद्ध १७ भाद्रपद शुक्ल पक्ष चतुर्दशी *	प्रतिपदा श्राद्ध १८ भाद्रपद शुक्ल पक्ष पूर्णिमा	द्वितीया श्राद्ध १९ आश्विन कृष्ण पक्ष प्रतिपदा/द्वितीया	तृतीया श्राद्ध २० आश्विन कृष्ण पक्ष तृतीया	विघ्नराज संकष्टी चतुर्थी चतुर्थी श्राद्ध २१ आश्विन कृष्ण पक्ष चतुर्थी
पंचमी श्राद्ध २२ आश्विन कृष्ण पक्ष पंचमी	षष्ठी श्राद्ध २३ आश्विन कृष्ण पक्ष षष्ठी	सप्तमी श्राद्ध २४ आश्विन कृष्ण पक्ष सप्तमी	अष्टमी श्राद्ध २५ आश्विन कृष्ण पक्ष अष्टमी	नवमी श्राद्ध २६ आश्विन कृष्ण पक्ष नवमी	दशमी श्राद्ध २७ आश्विन कृष्ण पक्ष दशमी	इन्द्रा एकादशी एकादशी श्राद्ध २८ आश्विन कृष्ण पक्ष एकादशी
प्रदोष व्रत द्वादशी श्राद्ध २९ आश्विन कृष्ण पक्ष द्वादशी	त्रयोदशी श्राद्ध ३० आश्विन कृष्ण पक्ष त्रयोदशी	*विश्वकर्मा पूजा कन्या संक्रान्ति				

परेषां सद्गुणे दृष्टिःस्वस्य तु दुर्गुणे तथा। द्वारमुद्घाटयत्येषा जीवने प्रोन्नतेस्सदा॥

दूसरों के सद्गुण और अपने दुर्गुणों को देखने से उन्नति का द्वार खुलता है। अपने गुण ही दिखाई दे और अन्य के दोष, तब आदमी अवनति की ओर जाता है।

ॐ
असतो मा सद्गमय।
तमसो मा ज्योतिर्गमय।
मृत्योर्मा अमृतं गमय।

हे ईश्वर! (हमको)
असत्य से सत्य की ओर ले चलो।
अंधकार से प्रकाश की ओर ले चलो।
मृत्यु से अमरता की ओर ले चलो।

आश्विन/कार्तिक

वि.सं. २०८१

शारदीय नवरात्र

अक्टूबर २०२४

शरद ऋतु

रविवार	सोमवार	मंगलवार	बुधवार	गुरुवार	शुक्रवार	शनिवार
		चतुर्दशी श्राद्ध १ आश्विन कृष्ण पक्ष चतुर्दशी	सर्वपितृ अमावस्या अमावस्या श्राद्ध गाँधी जयंती २ आश्विन कृष्ण पक्ष अमावस्या	शारदीय नवरात्रारम्भ ३ आश्विन शुक्ल पक्ष प्रतिपदा	४ आश्विन शुक्ल पक्ष द्वितीया	५ आश्विन शुक्ल पक्ष तृतीया
श्री गणेश चतुर्थी व्रत ६ आश्विन शुक्ल पक्ष चतुर्थी	श्री ललिता पंचमी ७ आश्विन शुक्ल पक्ष चतुर्थी	८ आश्विन शुक्ल पक्ष पंचमी	सरस्वती आह्वान ९ आश्विन शुक्ल पक्ष षष्ठी	सरस्वती पूजा १० आश्विन शुक्ल पक्ष सप्तमी	दुर्गा अष्टमी महा नवमी ११ आश्विन शुक्ल पक्ष अष्टमी/नवमी	सरस्वती विसर्जन दुर्गा विसर्जन दशहरा १२ आश्विन शुक्ल पक्ष दशमी
पापांकुशा एकादशी १३ आश्विन शुक्ल पक्ष एकादशी	१४ आश्विन शुक्ल पक्ष द्वादशी	प्रदोष व्रत १५ आश्विन शुक्ल पक्ष त्रयोदशी	शरद पूर्णिमा १६ आश्विन शुक्ल पक्ष चतुर्दशी	वाल्मीकि जयन्ती कार्तिक स्नान प्रारंभ १७ आश्विन शुक्ल पक्ष पूर्णिमा	१८ कार्तिक कृष्ण पक्ष प्रतिपदा	१९ कार्तिक कृष्ण पक्ष द्वितीया
करवा चौथ श्री गणेश चतुर्थी व्रत २० कार्तिक कृष्ण पक्ष तृतीया	२१ कार्तिक कृष्ण पक्ष चतुर्थी	२२ कार्तिक कृष्ण पक्ष पंचमी	२३ कार्तिक कृष्ण पक्ष षष्ठी/सप्तमी	अहोई अष्टमी व्रत २४ कार्तिक कृष्ण पक्ष अष्टमी	२५ कार्तिक कृष्ण पक्ष नवमी	२६ कार्तिक कृष्ण पक्ष नवमी
२७ कार्तिक कृष्ण पक्ष दशमी	रमा एकादशी गोवत्स द्वादशी २८ कार्तिक कृष्ण पक्ष एकादशी	धनतेरस प्रदोष व्रत २९ कार्तिक कृष्ण पक्ष द्वादशी	धन्वंतरि जयंती नरक चतुर्दशी श्री हनुमान जन्मोत्सव ३० कार्तिक कृष्ण पक्ष त्रयोदशी	दीपावली ३१ कार्तिक कृष्ण पक्ष चतुर्दशी		सम्पर्क सूत्र @ 9354422798

मातृवत् परदारेषु, परद्रव्येषु लोष्ठवत्। आत्मवत् सर्वभूतेषु, यः पश्यति सः पण्डितः।

जो दूसरों की पत्नी को माता तथा दूसरे के धन को मिट्टी के ढेले की भांति समझता हो। जो संसार के सभी प्राणियों में अपनी आत्मा का दर्शन करता हो अर्थात् सबको अपना मानता हो, वही ज्ञानी है।

श्री लक्ष्मी-गणेश पूजन

करागे वसते लक्ष्मीः, करमध्ये सरस्वती।
करमूले स्थितो ब्रह्मा, प्रभाते करदर्शनम्॥

हथेली के अग्रभाग में माता लक्ष्मी का निवास है, मध्यभाग में माता सरस्वती का और हथेली के मूल भाग में ब्रह्मा जी निवास करते हैं, इसलिए प्रभात में अपनी दोनों हथेलियों का दर्शन करना चाहिए।

कार्तिक/मार्गशीर्ष

वि.सं. २०८१

नवंबर २०२४

हेमंत ऋतु

रविवार	सोमवार	मंगलवार	बुधवार	गुरुवार	शुक्रवार	शनिवार
*प्रबोधिनी एकादशी ** कार्तिक स्नान समाप्त					लक्ष्मी पूजा दीपावली १ कार्तिक कृष्ण पक्ष अमावस्या	गोवर्धन पूजा २ कार्तिक शुक्ल पक्ष प्रतिपदा
भैया दूज यम द्वितीया ३ कार्तिक शुक्ल पक्ष द्वितीया	४ कार्तिक शुक्ल पक्ष तृतीया	श्री गणेश चतुर्थी व्रत ५ कार्तिक शुक्ल पक्ष चतुर्थी	लाभ पञ्चमी ६ कार्तिक शुक्ल पक्ष पंचमी	छठ पूजा सूर्यषष्ठी व्रत ७ कार्तिक शुक्ल पक्ष षष्ठी	८ कार्तिक शुक्ल पक्ष सप्तमी	गोपाष्टमी ९ कार्तिक शुक्ल पक्ष अष्टमी
अक्षय नवमी १० कार्तिक शुक्ल पक्ष नवमी	११ कार्तिक शुक्ल पक्ष दशमी	*देवोत्थान एकादशी तुलसी विवाह १२ कार्तिक शुक्ल पक्ष एकादशी	प्रदोष व्रत १३ कार्तिक शुक्ल पक्ष द्वादशी	वैकुण्ठ चतुर्दशी १४ कार्तिक शुक्ल पक्ष त्रयोदशी/चतुर्दशी	गंगा स्नान देव दीपावली श्री गुरुनानक जयंती ** १५ कार्तिक शुक्ल पक्ष पूर्णिमा	वृश्चिक संक्रान्ति १६ मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष प्रतिपदा
१७ मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष द्वितीया	१८ मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष तृतीया	श्री गणेश चतुर्थी व्रत १९ मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष चतुर्थी	२० मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष पंचमी	२१ मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष षष्ठी	२२ मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष सप्तमी	श्री कालभैरव जयन्ती २३ मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष अष्टमी
२४ मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष नवमी	२५ मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष दशमी	उत्पन्ना एकादशी २६ मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष एकादशी	२७ मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष द्वादशी	प्रदोष व्रत २८ मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष त्रयोदशी	२९ मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष त्रयोदशी	३० मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष चतुर्दशी

यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवताः। जहाँ नारी का सम्मान, वहाँ दिव्यता का वास।

दीपावली की हार्दिक बधाइयाँ।

www.dharmkshetra.com

मोर मनोरथु जानहु नीकें । बसहु सदा उर पुर सबही कें ॥
कीन्हेउँ प्रगट न कारन तेहीं । अस कहि चरन गहे बैदेहीं ॥

मेरे मनोरथ को आप भली-भाँति जानती हैं; क्योंकि आप सदा सबके हृदयरूपी नगरी में निवास करती हैं। इसी कारण मैंने उसको प्रकट नहीं किया। ऐसा कहकर जानकी जी ने मां गौरी के चरण पकड़ लिए।

माता जानकी मन्दिर@जनकपुर

मार्गशीर्ष/पौष

वि.सं. २०८१

दिसंबर २०२४

हेमंत ऋतु

रविवार	सोमवार	मंगलवार	बुधवार	गुरुवार	शुक्रवार	शनिवार
१ मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष अमावस्या	२ मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष प्रतिपदा	३ मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष द्वितीया	श्री गणेश चतुर्थी व्रत ४ मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष तृतीया	५ मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष चतुर्थी	विवाह पञ्चमी श्री राम सीता विवाह ६ मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष पंचमी	७ मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष षष्ठी
८ मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष सप्तमी/अष्टमी	९ मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष नवमी	१० मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष दशमी	श्री गीता जयन्ती मोक्षदा एकादशी ११ मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष एकादशी	१२ मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष द्वादशी	प्रदोष व्रत १३ मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष त्रयोदशी	श्री दत्तात्रेय जयन्ती १४ मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष चतुर्दशी
१५ मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष पूर्णिमा	धनु संक्राति १६ पौष कृष्ण पक्ष प्रतिपदा	१७ पौष कृष्ण पक्ष द्वितीया	श्री गणेश चतुर्थी व्रत १८ पौष कृष्ण पक्ष तृतीया	१९ पौष कृष्ण पक्ष चतुर्थी	२० पौष कृष्ण पक्ष पंचमी	२१ पौष कृष्ण पक्ष षष्ठी
२२ पौष कृष्ण पक्ष सप्तमी	२३ पौष कृष्ण पक्ष अष्टमी	२४ पौष कृष्ण पक्ष नवमी	२५ पौष कृष्ण पक्ष दशमी	सफला एकादशी २६ पौष कृष्ण पक्ष एकादशी	२७ पौष कृष्ण पक्ष द्वादशी	प्रदोष व्रत २८ पौष कृष्ण पक्ष त्रयोदशी
२९ पौष कृष्ण पक्ष चतुर्दशी	३० पौष कृष्ण पक्ष अमावस्या	३१ पौष शुक्ल पक्ष प्रतिपदा				

सुनु सिय सत्य असीस हमारी। पूजिहि मन कामना तुम्हारी॥ नारद बचन सदा सुचि साचा। सो बरु मिलिहि जाहिं मनु राचा॥

हे सीता! हमारी सच्ची आसीस सुनो, तुम्हारी मनोकामना पूरी होगी। नारद का वचन सदा पवित्र और सत्य है। जिसमें तुम्हारा मन अनुरक्त हो गया है, वही वर तुमको मिलेगा।

अश्वं नैव गजं नैव व्याघ्रं नैव च नैव च।
अजापुत्रं बलिं दद्यात् देवो दुर्बल घातकः॥

न तो अश्व, गज, बाघ और न किसी और को ही कभी बलि चढ़ाया जाता है। बलि चढ़ाया जाता है तो बेचारे बकरी के बच्चे को। दुर्बल के लिए तो देव भी घातक सिद्ध हो सकते हैं। **दुर्बलता त्याग कर शक्तिशाली बनो वरना बलि चढ़ना तय है।**

नेताजी सुभाष चन्द्र बोस

पौष/माघ
वि.सं. २०८१

जनवरी २०२५
शिशिर ऋतु

रविवार	सोमवार	मंगलवार	बुधवार	गुरुवार	शुक्रवार	शनिवार
			१ पौष शुक्ल पक्ष द्वितीया	२ पौष शुक्ल पक्ष तृतीया	३ पौष शुक्ल पक्ष चतुर्थी	४ पौष शुक्ल पक्ष पंचमी
५ पौष शुक्ल पक्ष षष्ठी	६ पौष शुक्ल पक्ष सप्तमी	७ पौष शुक्ल पक्ष अष्टमी	८ पौष शुक्ल पक्ष नवमी	९ पौष शुक्ल पक्ष दशमी	पौष पुत्रदा एकादशी १० पौष शुक्ल पक्ष एकादशी	प्रदोष व्रत ११ पौष शुक्ल पक्ष द्वादशी
स्वामी विवेकानंद जयंती १२ पौष शुक्ल पक्ष चतुर्दशी	शाकम्भरी पूर्णिमा पौष पूर्णिमा १३ पौष शुक्ल पक्ष पूर्णिमा	मकर संक्रान्ति पोंगल १४ माघ कृष्ण पक्ष प्रतिपदा	१५ माघ कृष्ण पक्ष द्वितीया	१६ माघ कृष्ण पक्ष तृतीया	सकट चौथ लम्बोदर संकष्टी चतुर्थी १७ माघ कृष्ण पक्ष चतुर्थी	१८ माघ कृष्ण पक्ष पंचमी
१९ माघ कृष्ण पक्ष पंचमी	२० माघ कृष्ण पक्ष षष्ठी	२१ माघ कृष्ण पक्ष सप्तमी	प्राण प्रतिष्ठा दिवस @श्री अयोध्या धाम २२ माघ कृष्ण पक्ष अष्टमी	नेताजी सुभाष चन्द्र बोस जयंती २३ माघ कृष्ण पक्ष नवमी	२४ माघ कृष्ण पक्ष दशमी	षटतिला एकादशी २५ माघ कृष्ण पक्ष एकादशी
गणतंत्र दिवस २६ माघ कृष्ण पक्ष द्वादशी	प्रदोष व्रत २७ माघ कृष्ण पक्ष त्रयोदशी	२८ माघ कृष्ण पक्ष चतुर्दशी	मौनी अमावस्या २९ माघ कृष्ण पक्ष अमावस्या	माघ गुप्त नवरात्र आरंभ ३० माघ शुक्ल पक्ष प्रतिपदा	३१ माघ शुक्ल पक्ष द्वितीया	

परहित बस जिन्ह के मन माहीं। तिन्ह कहुँ जग दुर्लभ कछु नाहीं॥
जिनके मन में दूसरे का हित बसता है, उनके लिए जगत् में कुछ भी दुर्लभ नहीं है।

न जानामि योगं जपं नैव पूजां।
नतोऽहं सदा सर्वदा शंभु तुभ्यम्॥
जरा जन्म दुःखौघ तातप्यमानम्॥
प्रभो पाहि आपन्नमामीश शंभो ॥

भगवान शिव परिवार

माघ/फाल्गुन

वि.सं. २०८१

फरवरी २०२५

शिशिर ऋतु

रविवार	सोमवार	मंगलवार	बुधवार	गुरुवार	शुक्रवार	शनिवार
						१ माघ शुक्ल पक्ष तृतीया
वसन्त पञ्चमी २ माघ शुक्ल पक्ष चतुर्थी/पंचमी	३ माघ शुक्ल पक्ष षष्ठी	रथ सप्तमी ४ माघ शुक्ल पक्ष सप्तमी	५ माघ शुक्ल पक्ष अष्टमी	६ माघ शुक्ल पक्ष नवमी	माघ गुप्त नवरात्र पारण ७ माघ शुक्ल पक्ष दशमी	जया एकादशी ८ माघ शुक्ल पक्ष एकादशी
प्रदोष व्रत ९ माघ शुक्ल पक्ष द्वादशी	१० माघ शुक्ल पक्ष त्रयोदशी	११ माघ शुक्ल पक्ष चतुर्दशी	श्री ललिता जयन्ती १२ माघ शुक्ल पक्ष पूर्णिमा	१३ फाल्गुन कृष्ण पक्ष प्रतिपदा	१४ फाल्गुन कृष्ण पक्ष द्वितीया	१५ फाल्गुन कृष्ण पक्ष तृतीया
द्विजप्रिय संकष्टी चतुर्थी १६ फाल्गुन कृष्ण पक्ष चतुर्थी	१७ फाल्गुन कृष्ण पक्ष पंचमी	१८ फाल्गुन कृष्ण पक्ष षष्ठी	छत्रपति शिवाजी जयंती १९ फाल्गुन कृष्ण पक्ष सप्तमी	२० फाल्गुन कृष्ण पक्ष सप्तमी	२१ फाल्गुन कृष्ण पक्ष अष्टमी	२२ फाल्गुन कृष्ण पक्ष नवमी
२३ फाल्गुन कृष्ण पक्ष दशमी	विजया एकादशी २४ फाल्गुन कृष्ण पक्ष एकादशी	प्रदोष व्रत २५ फाल्गुन कृष्ण पक्ष द्वादशी	महा शिवरात्रि २६ फाल्गुन कृष्ण पक्ष त्रयोदशी	२७ फाल्गुन कृष्ण पक्ष चतुर्दशी	२८ फाल्गुन कृष्ण पक्ष अमावस्या/प्रति.	

मैं न तो योग जानता हूँ, न जप और न ही पूजा। हे शम्भो! मैं तो सदा-सर्वदा आपको ही नमस्कार करता हूँ। हे प्रभो! वृद्धावस्था तथा जन्म, मृत्यु के दुःख समूहों से जलते हुए मुझ दुःखी की दुःख से रक्षा कीजिए। हे ईश्वर! हे शम्भो! मैं आपको नमस्कार करता हूँ।

महा शिवरात्रि की हार्दिक बधाइयाँ।

ॐ उग्रं वीरं महाविष्णुं ज्वलन्तं सर्वतोमुखम् । नृसिंहं भीषणं भद्रं मृत्युमृत्युं नमाम्यहम् ॥

ॐ हे क्रुद्ध एवं शूर-वीर महाविष्णु, आपकी ज्वाला एवं ताप चारों दिशाओं में फैली हुई है। हे नरसिंहदेव प्रभु, आपका चेहरा सर्वव्यापी है, आप मृत्यु के भी यम हो और मैं आपके समक्ष आत्मसमर्पण करता हूँ।

भगवान् नृसिंह अवतार

फाल्गुन/चैत्र

वि.सं. २०८१

मार्च २०२५

वसंत ऋतु

रविवार	सोमवार	मंगलवार	बुधवार	गुरुवार	शुक्रवार	शनिवार
३० विक्रम संवत् २०८२ प्रारंभ नवरात्र चैत्र शुक्ल पक्ष प्रतिपदा	३१ मत्स्य जयन्ती, गौरी पूजा, गणगौर चैत्र शुक्ल पक्ष द्वितीया					१ फाल्गुन शुक्ल पक्ष द्वितीया
२ फाल्गुन शुक्ल पक्ष तृतीया	३ फाल्गुन शुक्ल पक्ष चतुर्थी	४ फाल्गुन शुक्ल पक्ष पंचमी	५ फाल्गुन शुक्ल पक्ष षष्ठी	६ फाल्गुन शुक्ल पक्ष सप्तमी	७ फाल्गुन शुक्ल पक्ष अष्टमी	८ फाल्गुन शुक्ल पक्ष नवमी
९ फाल्गुन शुक्ल पक्ष दशमी	१० आमलकी एकादशी फाल्गुन शुक्ल पक्ष एकादशी	११ प्रदोष व्रत फाल्गुन शुक्ल पक्ष द्वादशी	१२ फाल्गुन शुक्ल पक्ष त्रयोदशी	१३ होलिका दहन फाल्गुन शुक्ल पक्ष चतुर्दशी	१४ वसन्त पूर्णिमा, चन्द्र ग्रहण फाल्गुन शुक्ल पक्ष पूर्णिमा	१५ होली चैत्र कृष्ण पक्ष प्रतिपदा
१६ चैत्र कृष्ण पक्ष द्वितीया	१७ चैत्र कृष्ण पक्ष तृतीया	१८ श्री भालचन्द्र संकष्टी चतुर्थी चैत्र कृष्ण पक्ष चतुर्थी	१९ चैत्र कृष्ण पक्ष पंचमी	२० चैत्र कृष्ण पक्ष षष्ठी	२१ चैत्र कृष्ण पक्ष सप्तमी	२२ चैत्र कृष्ण पक्ष अष्टमी
२३ चैत्र कृष्ण पक्ष नवमी	२४ चैत्र कृष्ण पक्ष दशमी	२५ पापमोचिनी एकादशी चैत्र कृष्ण पक्ष एकादशी	२६ चैत्र कृष्ण पक्ष द्वादशी	२७ मास शिवरात्रि प्रदोष व्रत चैत्र कृष्ण पक्ष त्रयोदशी	२८ चैत्र कृष्ण पक्ष चतुर्दशी	२९ चैत्र कृष्ण पक्ष अमावस्या

दम्भो दर्पोऽभिमानश्च क्रोधः पारुष्यमेव च। अज्ञानं चाभिजातस्य पार्थ सम्पदमासुरीम्।।16.4।।

हे पार्थ! दम्भ, दर्प, अभिमान, क्रोध, कठोर वाणी और अज्ञान यह सब आसुरी सम्पदा है।।

यद्यपि कैलेंडर की सामग्री को त्रुटिहीन रखने का यथासंभव प्रयास किया गया है, तथापि किसी भी निर्णय के लिए अपने स्थानीय विशेषज्ञ से संपर्क अवश्य करें।

मान्धाता च महीपतिः कृतयुगालंकार भूतो गतः।
सेतुर्येन महोदधौ विरचितः क्वासौ दशास्यान्तकः॥
अन्ये चापि युधिष्ठिर प्रभृतयो याता दिवम् भूपते।
नैकेनापि समम् गता वसुमती नूनम् त्वया यास्यति॥

विक्रम संवत्

२०८१

सतयुग के अलंकार मान्धाता, समुद्र पर सेतु का निर्माण और दसमुख का वध करने वाले श्री राम और युधिष्ठिर जैसे सत्यवादी सम्राट भी धरती पर आये और चले गये। हे मुञ्ज! यह धरती किसी एक के भी साथ नहीं गयी, तो क्या तुम्हारे साथ जायेगी? नहीं!

धर्मक्षेत्र

9354422798

www.dharmkshetra.com

धर्मक्षेत्र द्वारा संकलित।